



Dalla suthar

30 Dec 1995

12:15 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121514302

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 29-30/12/1995
दिन _____: शुक-शनिवार
जन्म समय _____: 00:15:00 घंटे
इष्ट _____: 41:52:42 घटी
स्थान _____: Barmer
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:43:00 उत्तर
रेखांश _____: 71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 23:30:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:46 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:01:40 घंटे
सूर्योदय _____: 07:29:55 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:02:29 घंटे
दिनमान _____: 10:32:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 13:46:33 धनु
लग्न के अंश _____: 06:34:28 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: मीन - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: रेवती - 3
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: परिघ
करण _____: बालव
गण _____: देव
योनि _____: गज
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: चा-चाणक्य
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

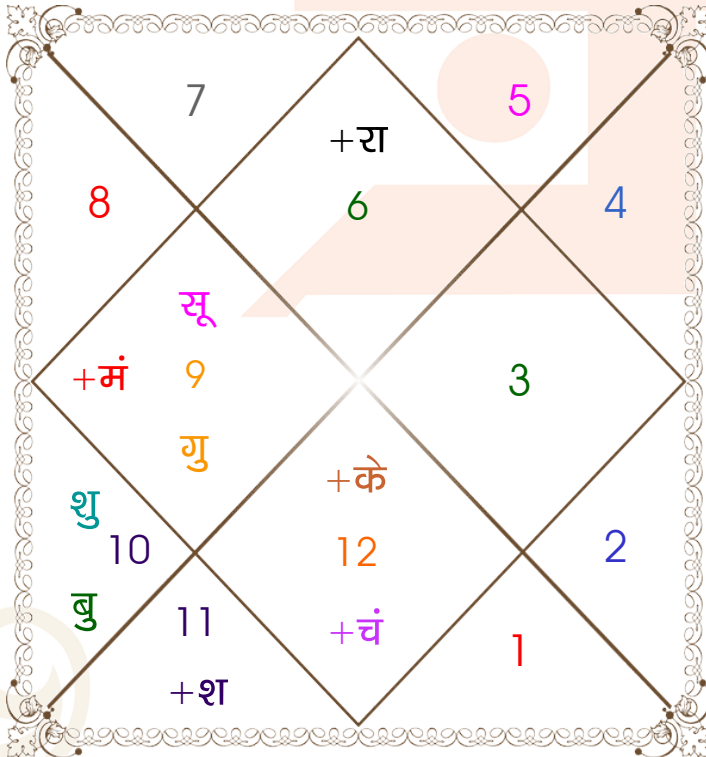
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:34:28	325:29:07	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			धनु	13:46:33	01:01:09	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	25:25:50	12:40:35	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	28:38:19	00:46:43	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध			मक	02:35:32	01:18:02	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	अ		धनु	05:10:18	00:13:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			मक	16:05:13	01:13:54	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			कुंभ	25:26:47	00:03:51	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु			कन्या	29:42:59	00:00:11	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	29:42:59	00:00:11	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	05:25:23	00:03:21	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	00:47:38	00:02:12	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:04:20	00:02:02	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मिथु	06:34:52	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

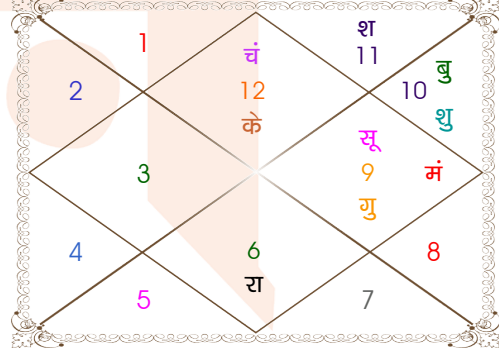
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:11

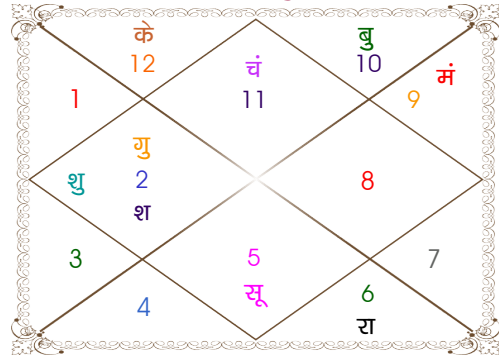
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 9 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
30/12/1995	26/10/2001	26/10/2008	26/10/2028	27/10/2034
26/10/2001	26/10/2008	26/10/2028	27/10/2034	26/10/2044
00/00/0000	केतु 25/03/2002	शुक्र 26/02/2012	सूर्य 13/02/2029	चंद्र 27/08/2035
00/00/0000	शुक्र 25/05/2003	सूर्य 25/02/2013	चंद्र 14/08/2029	मंगल 27/03/2036
00/00/0000	सूर्य 30/09/2003	चंद्र 27/10/2014	मंगल 20/12/2029	राहु 26/09/2037
00/00/0000	चंद्र 30/04/2004	मंगल 27/12/2015	राहु 14/11/2030	गुरु 26/01/2039
00/00/0000	मंगल 26/09/2004	राहु 27/12/2018	गुरु 02/09/2031	शनि 26/08/2040
30/12/1995	राहु 14/10/2005	गुरु 27/08/2021	शनि 14/08/2032	बुध 26/01/2042
राहु 10/11/1996	गुरु 20/09/2006	शनि 26/10/2024	बुध 21/06/2033	केतु 27/08/2042
गुरु 16/02/1999	शनि 30/10/2007	बुध 27/08/2027	केतु 26/10/2033	शुक्र 27/04/2044
शनि 26/10/2001	बुध 26/10/2008	केतु 26/10/2028	शुक्र 27/10/2034	सूर्य 26/10/2044

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
26/10/2044	27/10/2051	26/10/2069	26/10/2085	27/10/2104
27/10/2051	26/10/2069	26/10/2085	27/10/2104	00/00/0000
मंगल 24/03/2045	राहु 09/07/2054	गुरु 15/12/2071	शनि 29/10/2088	बुध 26/03/2107
राहु 12/04/2046	गुरु 02/12/2056	शनि 27/06/2074	बुध 09/07/2091	केतु 22/03/2108
गुरु 19/03/2047	शनि 09/10/2059	बुध 02/10/2076	केतु 17/08/2092	शुक्र 21/01/2111
शनि 27/04/2048	बुध 27/04/2062	केतु 08/09/2077	शुक्र 18/10/2095	सूर्य 27/11/2111
बुध 24/04/2049	केतु 16/05/2063	शुक्र 09/05/2080	सूर्य 29/09/2096	चंद्र 28/04/2113
केतु 20/09/2049	शुक्र 15/05/2066	सूर्य 25/02/2081	चंद्र 30/04/2098	मंगल 25/04/2114
शुक्र 20/11/2050	सूर्य 09/04/2067	चंद्र 27/06/2082	मंगल 09/06/2099	राहु 31/12/2115
सूर्य 28/03/2051	चंद्र 08/10/2068	मंगल 03/06/2083	राहु 16/04/2102	00/00/0000
चंद्र 27/10/2051	मंगल 26/10/2069	राहु 26/10/2085	गुरु 27/10/2104	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 10 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक् प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।